# दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

# प्री. पी-एच.डी (हिंदी)
## पाठ्यक्रम
## सत्र 2024-25 से लागू

## हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग

## प्री-पीएच. डी. प्रश्न-पत्रों के नाम
## (विभाग- हिन्दी)

| कक्षा | सेमेस्टर (प्रश्न पत्र) | प्रश्न पत्र का नाम | प्रश्न पत्र कोड | क्रेडिट |
|---|---|---|---|---|
| प्री-पीएच. डी. | प्रथम (प्रथम प्रश्न पत्र) | रिसर्च एंड पब्लिकेशन एथिक्स | HND-600N | 2 |
| | प्रथम (द्वितीय प्रश्न पत्र) | शोध प्रविधि | HND-601N | 5 |
| | प्रथम (तृतीय प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-1 | आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य: युग, परिवेश और प्रवृत्तियां | HND-602N | 5 |
| | प्रथम (तृतीय प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-2 | आधुनिक हिंदी साहित्य: युग, परिवेश और प्रवृत्तियां | HND-603N | 5 |
| | प्रथम (तृतीय प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-3 | समकालीन हिंदी साहित्य: युग, परिवेश और प्रवृत्तियां | HND-604N | 5 |
| | प्रथम (तृतीय प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-4 | भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य-चिंतन तथा हिंदी आलोचना | HND-605N | 5 |
| | प्रथम (तृतीय प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-5 | अस्मिता विमर्श | HND-606N | 5 |
| | प्रथम (तृतीय प्रश्न पत्र) वैकल्पिक-6 | भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा | HND-607N- | 5 |

| Programme: पी-एच०डी . | प्री. पी-एच० डी | | Semester : I[st] |
|---|---|---|---|
| Course Code: HND 701N | क्रेडिट: 5 | Course Title: शोध प्रविधि | 90 घंटे |

शोध प्रविधि के इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से शोधार्थियों में अनुसंधान के अर्थ, महत्त्व एवं प्रक्रिया की समझ विकसित होगी साथ ही अनुसंधान की पद्धतियों से भी उसका परिचय होगा। विषय के चयन से लेकर समस्या एवं संदर्भों के व्यावहारिक उपयोग से भी शोधार्थी परिचित होंगें ।

| UNIT | TOPIC | Credit | Hours |
|---|---|---|---|
| 1 | शोध या अनुसंधानः स्वरूप, अर्थ एवं अनुसंधान का महत्त्व अनुसंधान की प्रासंगिकता, अनुसंधान : अन्वेषण, विवरण, स्पष्टीकरण अनुसंधान प्रक्रिया का अवलोकन | 1 | 18 |
| 2 | अनुसंधान की पद्धतियाँ: सर्वेक्षण पद्धति, काव्य शास्त्रीय,समाजशास्त्रीय, भाषा वैज्ञानिक, शैली वैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक, तुलनात्मक, पाठ आधारित, अंतः विषयक, ऐतिहासिक, अनुप्रयुक्त, वर्णनात्मक विश्लेषणात्मक, गुणात्मक, मात्रात्मक एवं मिश्रिततथा अन्य पद्धतियाँ | 1 | 18 |
| 3 | अनुसंधान में विषय और समस्या का चयन, रुपरेखा का निर्धारिण और उसका महत्त्व, उद्धरण का आशय, उद्देश्य और महत्त्व, उद्धरण की प्रयोगविधि, पाद आशय : टिप्पणी, उद्देश्य और महत्त्व, संदर्भ आशय : उद्देश्य और महत्त्व संदर्भ ग्रंथसूची, संदर्भ और पाद टिप्पणी में अंतर, प्राक्कथन, भूमिका परिशिष्ट और अनुक्रमणिका: अर्थ और महत्व | 1 | 18 |
| 4 | शोध और कम्प्यूटर : कम्प्यूटर : परिभाषा, उत्पत्ति और विकास, कार्य और प्रयोजन, वर्गीकरण, कम्प्यूटर के अनुप्रयोग:प्रणाली और घटक, कम्प्यूटर की मेमोरी, उसकी क्षमता, इनपुट और आउटपुट डिवाइस, विंडोज और फाइल मैनेजमेन्ट, एम. एस. वर्ड का परिचय, लेखन और अभिलेखन, पेज ले आउट, तालिका, चित्र और ग्राफिक्स,<br>एम. एस. एक्सेल: पावरप्वाइंट, स्लाइड : निर्माणऔर प्रबंधन, पावर प्वाइंट का प्रयोग, ईमेल बनाना, ईमेल संदेश भेजना, ईमेल पर दस्तावेज संलग्न करना | 1 | 18 |
| 5 | बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आई पी आर) : एक परिचय, नवाचारों के वैश्विक संकेतक के रूप में बौद्धिक सम्पदा (IP), आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में बौद्धिक सम्पदा अधिकार की भूमिका, आई. पी. आर. के प्रकार, पेटेंट कापीराइट ट्रेडमार्क, भौगोलिक संकेत, व्यापार रहस्य, सेमीकंडक्टर, एकीकृत सर्किट और ले आउट डिजाइन, पौधों की किस्मों और किसानों के अधिकारों की सुरक्षा (पीपीवी और आर एफ), औद्योगिक डिजाइन | 1 | 18 |
| | | | |

## संदर्भ ग्रंथ सूची:


- खंडेलवाल, रामेश्वर लाल, तत्व और दृष्टि: शोध (संपा) वल्लभ विद्यानगर गुजरात सरदार पटेल यूनिवर्सिटी, 1968
- जैन, रविन्द्र कुमार, साहित्यिक अनुसंधान के मूल तत्व,नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
- प्रसाद, विश्वनाथ(सं०),अनुसंधान के मूलतत्व, के एम मुंशी विद्यापीठ, आगर
- शर्मा, विनयमोहन, शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली 1973
- सत्येन्द, अनुसंधान, नंद किशोर एंड ब्रदर्स, वाराणसी 1969
- सिंघल, वैजनाथ, शोध, स्वरूप और व्यवहारिक कार्यविधि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली,2015
- सिन्हा, सावित्री, विजेन्द्रस्नातक, अनुसंधान की प्रक्रिया, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1969
- सिंह, विजयपाल, हिन्दी अनुसंधान, राजपाल एंड संस, दिल्ली, 1978
- पी. के. सिन्हा और प्रीति सिन्हा, कंम्प्यूटर फंडामेंटल, बीपीबी प्रकाशन, www.bpbonline.com
- प्रो० हरिमोहन, सूचना प्रौद्योगिकी कम्प्यूटर और अनुसंधान, तपशिला प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली, 2011

| Programme: पी-एच०डी . | | प्री. पी-एच० डी॰ | | Semester : I[st] |
|---|---|---|---|---|
| Course Code: HND 702N | क्रेडिट: 5 | Course Title: आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य: युग, परिवेश और प्रवृत्तियाँ | | 90 घंटे |
| इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से शोधार्थी आदिकालीन एवं मध्यकालीन युग, परिवेश और साहित्य से परिचित होगा, जिसके माध्यम से इन क्षेत्रों में शोध विषय चयन के उसके विकल्प खुलेंगे। | | | | |
| **UNIT** | **TOPIC** | | **Credit** | **Hours** |
| 1 | आदिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक एवं आर्थिक परिस्थितियाँ,<br>आदिकालीन साहित्य पर पूर्ववर्ती साहित्य का प्रभावः बौद्ध साहित्य, नाथ एवं सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य आदिकालीन साहित्य : रासो साहित्य एवं उसकी प्रामाणिकता, आदिकालीन साहित्य का मूल्यांकन एवं महत्त्व | | 1 | 18 |
| 2 | भक्ति: अर्थ, स्वरूप एवं अवधारणा<br>भक्ति काल की सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक एवं साँस्कृतिक परिस्थितियाँ<br>भक्ति आन्दोलन का विकास एवं प्रभाव | | 1 | 18 |
| 3 | निर्गुण भक्ति धारा: स्वरूप, विशेषताएँ एवं युग बोध<br>निर्गुण भक्ति धारा : संत काव्य एवं प्रेमाख्यानक काव्य, संवेदना, शिल्पगत विशेषताएँ एवं मूल्यांकन | | 1 | 18 |
| 4 | सगुण भक्ति धारा : स्वरूप विशेषताएँ एवं युगबोध<br>राम भक्ति धारा: परम्परा, प्रवृत्तियाँ एवं महत्त्व<br>कृष्ण भक्ति धारा: परम्परा, प्रवृत्तियाँ एवं महत्त्व<br>भक्ति कालीन साहित्य की अन्य प्रवृत्तियाँ | | 1 | 18 |
| 5 | रीतिकालीन साहित्य : सामन्ती परिवेश और प्रेरणाएँ<br>रीतिकाल: सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक तथा कलागत स्थिति, रीतिकाव्य का स्वरूप और वर्गीकरण (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध रीतिमुक्त), रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन काव्य का महत्त्व एवं मूल्यांकन | | 1 | 18 |
| | | | | |

4

## संदर्भ ग्रंथ सूची:


- रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारणी सभा, काशी,1945
- रामचन्द्र तिवारी, मध्युगीन काव्य साधना, भवदीय प्रकाशन, अयोध्या 1997
- बच्चन सिंह, रीतिकालीन कवियों की प्रेम-व्यंजना, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
- विजयदेव नारायण शाही, जायसी, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, 1983
- शिवकुमार मिश्र, भक्ति आन्दोलन और भक्तिकाव्य, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1999
- हजारी प्रसाद द्विवेदी, कबीर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1973
- हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, बम्बई,1948
- रीतिकाव्य धारा, (सं.) डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई सड़क दिल्ली
- रीतिकाव्य- नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- रीतिकाव्य संग्रह – डॉ० जगदीश गुप्त, साहित्य भवन
- बिहारी का नया मूल्याङ्कन, डॉ० बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज
- घनानन्द का काव्य, डॉ० रामदेव शुक्ल,दमैकमिलन प्रकाशन
- सगुण भक्तिधारा के प्रतिनिधि कवि, डॉ. विमलेश कुमार मिश्र, प्रत्यूष प्रकाशन, गाजियाबाद

| Programme: पी-एच०डी . | प्री. पी-एच० डी॰ | | Semester : Ist |
|---|---|---|---|
| Course Code: HND 703N | क्रेडिट: 5 | Course Title: आधुनिक हिन्दी साहित्य : युग, परिवेश और प्रवृत्तियाँ | 90 घंटे |

इस प्रश्न के अध्ययन से शोधार्थी आधुनिक हिन्दी साहित्यः युग, परिवेश और प्रवृत्तियों से परिचित होगा। जिसके माध्यम से इन क्षेत्रों में शोध विषय चयन के अनुरुप उसके विकल्प खुलेंगे ।

| UNIT | TOPIC | Credit | Hours |
|---|---|---|---|
| 1 | आधुनिक, आधुनिकता, आधुनिकता बोध: अर्थ, परिभाषा, अन्तर्सम्बन्ध और विशेषताएं, मध्यकाल से आधुनिकता में संक्रमण, आधुनिक काल: पूर्वपीठिका, अर्थ और प्रवृत्तियाँ, युगीन परिस्थितियाँ | 1 | 18 |
| 2 | नवजागरण, पुनर्जागरण: अवधारणा, स्वरूप और विशेषताएं, आधुनिक कालीन साहित्य का उद्भव और नवजागरण,सामाजिक सुधार आन्दोलन और आधुनिक हिन्दी साहित्य, नवजागरण कालीन नई चेतना | 1 | 18 |
| 3 | आधुनिक कालीन साहित्य : युग-परिवेश<br>बौद्धिक- वैचारिक अभिव्यक्ति के विविध रूप<br>शिक्षा, प्रेस और जनसंचार की नई भूमिकाएं<br>कला-साहित्य के क्षेत्र में नयी अभिव्यक्तियाँ | 1 | 18 |
| 4 | आधुनिक कालीन साहित्यः विधाएं और प्रवृत्तियाँ<br>भारतेन्दुयुग: विधाएं और प्रवृत्तियाँ,<br>द्विवेदी युग : विधाएं और प्रवृत्तियाँ,<br>छायावाद युग: विधाएं और प्रवृत्तियाँ, | 1 | 18 |
| 5 | आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य: विधाएं और प्रवृत्तियाँ<br>छायावादोत्तर हिंदी साहित्य:विधाएं और प्रवृत्तियाँ<br>कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक और गद्य की नवीन विधाओं का साहित्य: वर्गीकरण और मूल्यांकन | 1 | 18 |
| | | | |

**सन्दर्भ ग्रंथ सूची:**


- बच्चन सिंह, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन, 1996
- रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोकभारती, दिल्ली,2002
- नगेन्द्र (सं), हिन्दी साहित्य का इतिहास, दिल्ली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, 1976
- योगेन्द्र प्रताप सिंह, हिन्दी साहित्य का इतिहास और उसकी समस्याएं, दिल्ली, वाणी प्रकाशन,2016
- रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती,इलाहाबाद, 1986

| Programme: पी-एच०डी . | | प्री. पी-एच० डी॰ | Semester : I[st] |
|---|---|---|---|
| Course Code: HND 704N | क्रेडिट: 5 | **Course Title:** समकालीन हिन्दी साहित्य: युग, परिवेश और प्रवृत्तियाँ | 90 घंटे |

इस प्रश्न के अध्ययन से शोधार्थी समकालीन हिन्दी साहित्य : युग, परिवेश और प्रवृतियों से परिचित होगा। जिसके माध्यम से इन क्षेत्रों में शोध विषय चयन के अनुरूप उसके विकल्प खुलेंगे ।

| UNIT | TOPIC | Credit | Hours |
|---|---|---|---|
| 1 | समकालीन और समकालीनता: अवधारणा, अर्थ, स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ<br>आधुनिकता और समकालीनता: प्रवृत्ति, परिवेश एवं अन्तर्सम्बन्ध<br>वैश्वीकरण की अवधारणा, स्वरूप एवं हिन्दी साहित्य पर प्रभाव | 1 | 18 |
| 2 | समकालीन विचार दर्शन और साहित्य: उत्तरआधुनिकतावाद, उत्तरसंरचनावाद, विखण्डनवाद, प्राच्यवाद और अन्य विचार-सरणियों का समकालीन हिन्दी साहित्य पर प्रभाव, विविध अस्मिताओं का सन्दर्भ और हिन्दी साहित्य | 1 | 18 |
| 3 | समकालीन हिन्दी कविता: युग, परिवेश और प्रवृत्तियाँ, समकालीन हिन्दी कविता की महत्वपूर्ण कृतियों के वैचारिक संदर्भ व परिप्रेक्ष्य, संरचना और शिल्प का विश्लेषण और मूल्यांकन | 1 | 18 |
| 4 | समकालीन हिन्दी कथा साहित्य : युग, परिवेश और प्रवृत्तियाँ,<br>समकालीन कथा साहित्य की महत्वपूर्ण कृतियों का वैचारिक सन्दर्भ व परिप्रेक्ष्य, संरचना और शिल्प का विश्लेषण और मूल्यांकन | 1 | 18 |
| 5 | समकालीन हिन्दी कथेत्तर गद्य (नाटक, एकांकी. निबन्ध, आलोचना एवं प्रकीर्ण विधाएँ- जीवनी, आत्मकथा, रेखाचित्र, व्यंग्य, संस्मरण, रिपोर्ताज, यात्रा साहित्य, साक्षात्कार, केरीकेचर):युग, परिवेश और प्रवृत्तियाँ<br>समकालीन हिन्दी कथेतर गद्य की महत्वपूर्ण कृतियों का वैचारिक सन्दर्भ व परिप्रेक्ष्य, संरचना और शिल्प का विश्लेषण और मूल्यांकन । | 1 | 18 |
| | | | |

**सन्दर्भ ग्रंथ सूची:**


- गिरीश मिश्र, भूमंडलीकरण: मिथक या यथार्थ, संस्करण: 2005, अभिधा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर
- गोपेश्वर सिंह, आलोचना के परिसर, संस्करण: 2019, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- बच्चन सिंह, आलोचक और आलोचना, संस्करण: 1992, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- राकेश कुमार, उत्तर उपनिवेशवाद: चुनौतियाँ और विकल्प, संस्करण: 2014, शुभदा प्रकाशन, दिल्ली
- रामस्वरुप चतुर्वेदी, समकालीन हिन्दी साहित्य: विविध परिदृश्य, संस्करण 1935, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

| Programme: पी-एच०डी . | | प्री. पी-एच० डी० | Semester : I[st] |
|---|---|---|---|
| Course Code: HND 705N | क्रेडिट: 5 | Course Title: भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य – चिंतन तथा हिन्दी आलोचना | 90 घंटे |

| UNIT | TOPIC | Credit | Hours |
|---|---|---|---|
| 1 | रस-संप्रदायः रस-निष्पत्ति और साधारणीकरण, अलंकार –संप्रदाय अलंकार का मनोवैज्ञानिक महत्व, रीति- सम्प्रदाय | 1 | 18 |
| 2 | वक्रोक्ति-सम्प्रदाय, अभिव्यंजनावाद, ध्वनि सम्प्रदाय, औचित्य सम्प्रदायः काव्य में औचित्य का महत्व | 1 | 18 |
| 3 | शास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, मार्क्सवादी सौन्दर्यशास्त्र, अस्तित्ववाद | 1 | 18 |
| 4 | मनोविश्लेषणवाद, नई समीक्षा<br>एलियट: परम्परा और निर्वैयक्तिकता,<br>आई. ए. रिचर्ड्स: मूल्य और सम्प्रेषण,<br>जॉक देरिदा: विखंडनवाद,<br>एडवर्ड सईद : उत्तर उपनिवेशवाद | 1 | 18 |
| 5 | रचना और आलोचना का अंतरसंबंध, आलोचना और अनुसंधान, हिन्दी आलोचना: उद्भव और विकास, हिन्दी आलोचना के प्रचलित प्रत्यय:अनुभूति, अभिव्यंजना, आधुनिकता और आधुनिकतावाद, उत्तरआधुनिकतावाद, प्रतिबद्ध और प्रतिबद्धता, प्रगतिशील और प्रगतिशीलता, लोकमंगल, समकालीन और समकालीनता, संवेदनात्मक ज्ञान और ज्ञानात्मक संवेदना | 1 | 18 |
| | | | |

## सन्दर्भ ग्रंथ सूची:


- नंदकिशोर नवल, हिन्दी आलोचना का विकास, दिल्ली, राजकमल प्रकाशन,
- बच्चन सिंह, आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द, दिल्ली, वाणी प्रकाशन, 1994
- मैनेजर पाण्डेय, साहित्य की इतिहास दृष्टि,दिल्ली, पीपुल्स लिटरेसी, 1981
- रामचन्द्र तिवारी, आलोचक का दायित्व, वाराणसी, विश्वविधालय प्रकाशन
- विश्वनाथ त्रिपाठी, हिन्दी आलोचना, दिल्ली
- रामविलास शर्मा, मार्क्सवाद और प्रगतिशील साहित्य, दिल्ली, वांणी प्रकाजन, 1984
- नामवर सिंह, इतिहास और आलोचना, वित्ती, राजकमल प्रकाशन, 1978

| Programme: पी-एच०डी . | प्री. पी-एच० डी० | Semester : I[st] |
|---|---|---|
| Course Code: HND 706N / क्रेडिट: 5 | Course Title: अस्मिता विमर्श | 90 घंटे |

प्रस्तुत पाठ्यक्रम का उद्देश्य अस्मितामूलक विमर्श विषयक साहित्य से छात्रों को परिचित कराते हुए उनमें विभिन्न सामाजिक अस्मिताओं के जीवन से सम्बंधित प्रश्नों, समस्याओं और साहित्यिक मूल्यों के प्रति समझ का विकास करना है।

| UNIT | TOPIC | Credit | Hours |
|---|---|---|---|
| 1 | अस्मिता की अवधारणा, अस्मिता विमर्श की सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं दार्शनिक पृष्ठभूमि,अस्मिता विमर्शों का वैश्विक सन्दर्भ: नीग्रो आन्दोलन, स्त्री मुक्ति आंदोलन और उपनिवेश विरोधी आन्दोलन | 1 | 18 |
| 2 | दलित विमर्श:<br>मणिकर्णिका (दूसरा अध्याय): जयप्रकाश कर्दम, भरोसे की बहन<br>दलित साहित्य के दार्शनिक और वैचारिक आधार, स्वाधीनता आन्दोलन एवं दलित मुक्ति के प्रश्न, दलित साहित्य का समाजशास्त्र, दलित मुक्ति की दार्शनिक सरणियाँ: अम्बेडकरवाद और मार्क्सवाद, दलित स्त्रीवाद, दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र | 1 | 18 |
| 3 | स्त्री विमर्श: पितृसत्ता की अवधारणा, स्त्री मुक्ति आन्दोलन का इतिहास, दार्शनिक सरणियाँ और स्त्री मुक्ति, स्वाधीनता आन्दोलन और मुक्ति के प्रश्न, प्रगतिशील साहित्य में स्त्री, स्त्री मुक्ति की समकालीन अवधारणाएं और साहित्य (उत्तर आधुनिक और उत्तर औपनिवेशिक), स्त्री विमर्श की भारतीय अवधारणा | 1 | 18 |
| 4 | आदिवासी विमर्श: आदिवासी एवं आदिवासियत की अवधारणा, आदिवासी जीवन दर्शन एवं संस्कृति, आदिवासी साहित्य का इतिहास और उसकी परंपरा;जल, जंगल, जमीन और पर्यावरण का सवाल, भाषा, बिम्ब और प्रतीक नया प्रकृति सौन्दर्य | 1 | 18 |
| 5 | अल्पसंख्यक विमर्श: अल्पसंख्यक की अवधारणा, पहचान के भाषाई और धार्मिक आधार, बौद्ध, सिख और मुस्लिम अल्पसंख्यकों के प्रमुख सवाल,<br>हिंदी साहित्य में अल्पसंख्यक समस्याओं का चित्रण, विभाजन की त्रासदी और अल्पसंख्यक साहित्य, सांस्कृतिक बहुलता के बीच साप्रदायिक उलझने, कौमी एकता की अभिव्यक्ति | 1 | 18 |
| | | | |

9

## संदर्भ ग्रंथ सूची:


- अभय कुमार दुबे (सम्पादक), आधुनिकता के आइने में दलित, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- ओमप्रकाश वाल्मीकि, दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- कंवल भारती, दलित विमर्श की भूमिका, इतिहासबोध प्रकाशन, इलाहाबाद
- तेजस्वी कट्टीमनी, भारतीय दलित साहित्य: एक परिचय, वाल्मीकि पब्लिशर्स, नई दिल्ली
- बाबूराव बाबुल, दलित साहित्य: उद्देश्य और वैचारिकता, दलित साहित्य प्रकाशन, नागपुर
- राम नरेश रामः दलित स्त्रीवाद की आत्मकथात्मक अभिव्यक्ति, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली
- निवेदिता मेनन, साधना आर्या: नारीवादी राजनीति संघर्ष एवं मुद्दे
- अनामिका: स्त्रीत्व का मानचित्र
- सुधा सिंह: ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ
- व्होरा, नारी शोषण आईने और आयाम, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली
- मृणाल पाण्डेयः देह की राजनीति से देश की राजनीति तक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- राजकिशोर (सं): स्त्री के लिए जगह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- सरला माहेश्वरी, नारी प्रश्न, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- वंदना टेटे, आदिवासी साहित्य परंपरा और प्रयोजन
- वंदना टेटे, आदिवासी दर्शन और साहित्य
- गंगासहाय मीणा, आदिवासी चिंतन की भूमिका
- रमणिका गुप्ता आदिवासी कौन?
- जयपाल सिंह मुंडा: लो बिर सैदरा
- संपा, कलिका प्रसादः बृहद हिंदी कोश
- डॉ. अर्जुन चव्हाण, विमर्श के विविध आयाम
- डॉ. एम. फिरोज खान, मुस्लिम विमर्श साहित्य के आईने में

| Programme: पी-एच०डी . | प्री. पी-एच० डी० | | |
|---|---|---|---|
| Course Code: HND 707N | क्रेडिट: 5 | Course Title: भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा | Semester : I[st] 90 घंटे |

इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से भाषा, भाषा विज्ञान एवं भाषा के विविध रूपों के विकल्प शोध विषय चयन हेतु शोधार्थियों के लिए खुलेंगे।

| UNIT | TOPIC | Credit | Hours |
|---|---|---|---|
| 1 | भाषा: अर्थ, स्वरूप एवं संरचना, भाषा के घटक: ध्वनि, शब्द, पद, अर्थ एवं वाक्य, भाषा और लिपि का अतंस्सम्बन्ध, भाषा की सामाजिक भूमिका, भाषा का प्रयोजन मूलक स्वरूप: अवधारणा एवं महत्व, भाषा का वर्गीकरण, भाषा की परिवर्तनशीलता और परिवर्तन के कारण, भाषा और विभाषा, भाषा के विभिन्न रूप | 1 | 18 |
| 2 | भाषा विज्ञान: अर्थ और क्षेत्र, भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र,भाषा विज्ञान और व्याकरण, भाषा और जेण्डर, भाषा विज्ञान का सामाजिक सन्दर्भ, ध्वनि विज्ञान, अर्थ विज्ञान, वाक्य, पद विज्ञान, प्रोक्ति विज्ञान | 1 | 18 |
| 3 | संसार के भाषा परिवार, भारतीय आर्य भाषा, पालि प्राकृत एवं अपभ्रंश स्वरूप एवं वैशिष्ट्य, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा, आधुनिक भारतीय आर्यभाषा, संविधान में हिन्दी, हिन्दी का प्रवासी रूप | 1 | 18 |
| 4 | हिन्दी भाषा: उद्भव, विकास और वैशिष्ट्य, हिन्दी की उपभाषाएं, विभाषाएं, बोलियाँ, हिन्दी भाषा के रूप: राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, वैज्ञानिक और तकनीकि भाषा, हिन्दी का सूचना-संसार, हिन्दी की शब्द-सम्पदा | 1 | 18 |
| 5 | अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान, व्यतिरेकी भाषा विज्ञान, संगणक भाषा विज्ञान, भाषा शिक्षण, भाषा प्रौद्योगिकी, कोश विज्ञान, शैली विज्ञान, भाषा तुलना, भाषा शिक्षण, मनोभाषा विज्ञान, भाषा भूगोल | 1 | 18 |
| | | | |

**संदर्भ ग्रंथ सूची:**


- अनन्त चौधरी, नागरी लिपि और हिन्दी वर्तनी, पटना, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, 1973
- उदयनारायण तिवारी, हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास, प्रयागराज, लोकभारती प्रकाशन, 2019
- कपिलदेव द्विवेदी, भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र, वाराणसी, विश्वविद्यालय, 1998
- देवेन्द्रनाथ शर्मा, भाषाविज्ञान की भूमिका, दिल्ली, राधाकृष्ण प्रकाशन,
- भोलानाथ तिवारी, भाषा विज्ञान, प्रयागराज, किताब महल, 2011
- भोलानाथ तिवारी, हिन्दी भाषा, प्रयागराज, किताब महल, 2011
- मधु धवन, प्रयोजनमूलकहिन्दी: पारिभाषिक, शब्दावली तथा टिप्पण-प्रारूप, जय भारती प्रकाशन 2003
- हरदेव बाहरी, हिन्दी: उद्भव, विकास और रूप, प्रयागराज, किताब महल, 2011


11